असि रुल्दे फिरदे आ साइयां बांह फड़ लै

असि रुल्दे फिरदे आ साइयां बांह फड़ लै,
असि अकला तो फिर गये आ साइयां बांह फड़ लै,

जिस दिन मेरी वाह पकड़े गा उस दिन मानुगा मैं,
साई साई क्यों कहे जमाना तब ये जानुगा मैं,
साहनु देके सबर सबुरी सादे दु:ख हर ले,
तेरी चरनी गिर गये आ साइयां बांह फड़ लै,
असि रुल्दे फिरदे आ साइयां बांह फड़ लै,

हे जोगी तेरा रूप निराला शिरडी रेन वसेरा,
सब दे घर जान वाले क्यों सुना घर मेरा,
असि तेरे होंगे आ तू भी हां कर ले,
रस्ते तो फिसल गये आ साइयां बांह फड़ लै,
असि रुल्दे फिरदे आ साइयां बांह फड़ लै,

नूर जॉली जब शिरडी आया तूने गले लगाया,
कामा कहे हर खुशी वो पाए जो साई का हो आया,
रमा भी धुप च सड़ गये आ साइयां छा कर लै,
संगत विच मिल गये आ साइयां बांह फड़ लै,
असि रुल्दे फिरदे आ साइयां बांह फड़ लै,

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw